**भारत सरकार**

**शिक्षा मंत्रालय**

**उच्चतर शिक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या: 3850**

**उत्तर देने की तारीख: 06.04.2022**

**उच्चतर शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात**

**3850 श्रीमती फूलो देवी नेतमः**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उच्चतर शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2019-20 के अनुसार वर्ष 2016 से उच्चतर शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) में केवल 2.1 प्रतिशत की ही वृद्धि होने के क्या कारण हैं;

(ख) विगत पांच वर्षों से लेकर अब तक राज्य-वार और वर्ष-वार वार्षिक सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) कितना है; और

(ग) उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) बढ़ाने के लिए क्या-क्या उपाय किए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(डॉ.राजकुमार रंजन सिंह)**

(क) और (ख) उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के अनुसार, सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 2014-15 में 24.3 से बढ़कर 2019-20 में 27.1 हो गया है, इस अवधि में कुल मिलाकर 11.5% की वृद्धि हुई है। राज्य-वार और वर्ष-वार जीईआर https://www.education.gov.in/en/parl_ques पर है।

(ग): सरकार ने उच्चतर शिक्षा में जीईआर की वृद्धि हेतु कई कदम उठाए हैं जिसमें प्रतिष्ठित संस्थानों को दूरस्थ मोड पर शिक्षा प्रदान करने की अनुमति देने हेतु मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के लिए नया विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) विनियमन जारी करना, स्वयम पोर्टल के माध्यम से आईसीटी मोड का उपयोग करते हुए लोगों तक पहुंच और उन्हें अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा, छात्रावास सुविधा प्रदान करना, उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) की स्थापना, स्थानीय/ भारतीय भाषाओं में शिक्षण, डायरेक्ट टू होम (डीटीएच) पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए) के माध्यम से राज्य सरकारों द्वारा शिक्षा के विस्तार को प्रोत्साहित करना, शिक्षा की लागत के पूरक के लिए अधिक छात्रवृत्ति कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

******